रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3240 के 34वें सम्मेलन "कॉन्फेरो" में

महामहिम राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया जी का अभिभाषण

दिनांक : 5 जनवरी 2024, शुक्रवार	समय : 3.45 PM	स्थान : दिसांग रिसोर्ट, सोनापुर

- रोटरी इंटरनेशन प्रेसिडेंट के प्रतिनिधि (RIPR) एवं पूर्व जिला गवर्नर (PDG) श्री हरीश गौर जी
- जिला गवर्नर श्री निलेश कुमार अग्रवाल जी,
- आयोजित सम्मेलन के चेयरमैन श्री सुनील पाटनी जी,
- को-चैयरमैन श्री डॉ. नवदल शर्मा जी एवं
- श्री विजय कोठारी जी,
- रोटरी क्लब, ग्रेटर तेजपुर के अध्यक्ष श्री राजेंद्र शर्मा जी,
- रोटरी क्लब, तेजपुर के अध्यक्ष श्री भारत टिब्रेवाल जी,
- रोटरी क्लब, नगांव के अध्यक्ष श्री बीरेंद्र कुहार जैन जी,
- उपस्थित अन्य अतिथिगण
- संगठन से जुड़े सम्मानित अधिकारीगण एवं सदस्यगण
- देवियों और सज्जनों,

नमस्कार !

रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3240 के 34वें सम्मेलन "कॉन्फेरो" में आप सभी के बीच उपस्थित होकर बहुत खुशी हो रही है। विश्व भर में मानवीय सेवा प्रदान करने के लिए विख्यात "रोटरी इंटरनेशनल" से जुड़े लोगों को संबोधित करना वास्तव में गर्व की बात है। मुझे यह अवसर प्रदान करने के लिए मैं रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3240 और सम्मेलन की आयोजन समिति को धन्यवाद देता हूं।

मित्रों,

रोटरी इंटरनेशनल एक गैर-राजनीतिक, गैर-धार्मिक अंतर्राष्ट्रीय सेवा संगठन है। इसका मुख्य उद्देश्य जन-जन को सेवा प्रदान करना और विश्व भर में सद्भावना और शांति बनाए रखना है।

यह संगठन दो महत्वपूर्ण ध्येय के साथ काम करती है। पहला है - **"सर्विस अबव सेल्फ"** (Service above Self) यानी स्वयं से ऊपर सेवा। दूसरा है - **"वन प्रॉफिट्स मोस्ट हू सर्व्स बेस्ट"** (one profits most who serves best) यानी वह सबसे ज्यादा लाभ में होता, जो सर्वोत्तम सेवा करता है। ये संपूर्ण मानव जाति के कल्याण के लिए महत्वपूर्ण सिद्धांत हैं।

हमारी संस्कृति में कहा गया है-

परं परोपकारार्थं योजीवति स जीवति।

अर्थात् इस जीव लोक में स्वयं के लिए सभी जीते हैं, परंतु जो परोपकार के लिए जीता है, वहीं सच्चा जीवन जीता है।

परोपकार और उदारता हमारी भारतीय संस्कृति का आधार है। हमें जहां भी दर्द, पीड़ा एवं कठिनाइयां दिखाई पड़ती हैं, हम तुरंत निःस्वार्थ भाव से सेवा के लिए तत्पर हो जाते हैं।

हमारे इतिहास-पुराण तो परोपकार की गाथाओं से भरे पड़े हैं। वृत्रासुर नामक असुर का संहार करने के किए महर्षि दधीचि ने अपनी हडियां तक इन्द्र को दे दी थी। इन्द्र ने उनसे वज्र का निर्माण किया और वृत्रासुर का वध करके मानव एवं देवजाति की रक्षा की।

महाराज हरिश्चन्द्र महान परोपकारी थे। राजा शिवि ने कबूतर की प्राणरक्षा के लिए अपने शरीर का मांस दिया, गुरु गोविन्द सिंह ने हिन्दू धर्म की रक्षा के लिए अपने पुत्रों का बलिदान कर दिया।

महादानी कर्ण ने अपने कवज कुण्डल दे दिए तो वहीं स्वतन्त्रता प्राप्ति के लिए चन्द्रशेखर, भगतसिंह, रानी लक्ष्मीबाई और कई अन्य स्वतंत्रता सेनानियों ने अपनी शहादत दे दी।

परोपकार मनुष्य को स्वार्थहीन बनाता है। परोपकार की भावना ही जीवन को महान बनाती है। बुद्ध, महात्मा गांधी और स्वामी विवेकानंद जी जैसे महान विभूतियों ने परोपकार को ही परोपकार को ही सबसे महत्वपूर्ण जीवन का अंग माना। परोपकार करके हम एक स्वस्थ और खुशहाल समाज का निर्माण कर सकते हैं।

मुझे खुशी है कि 1905 में स्थापित अंतर्राष्ट्रीय सेवा संगठन रोटरी इंटरनेशनल भारत सहित दुनिया के 220 देशों में सक्रियता से मानव सेवा में जुटा हुआ है। इसके लगभग 46 हजार क्लब और 14 लाख से अधिक सदस्य विश्वभर में मानवता की सेवा, शांति को बढ़ावा देने, बीमारी की रोकथाम, महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा में सुधार और आर्थिक विकास के लिए काम कर रहे हैं।

संगठन विश्व भर में साक्षरता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। यह पर्यावरण संरक्षण के लिए भी प्रतिबद्धता और एकजुटता के साथ काम कर रहा है।

संगठन की सबसे उल्लेखनीय परियोजना है “पोलियो प्लस”, जो कि दुनिया के नक्शे से पोलियो को पूरी तरह से खत्म करने में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। पोलियो के वैश्विक उन्मूलन के इस अभियान में बहुत हद तक सफलता हासिल हो चुकी है।

वर्तमान में विश्व के केवल दो देशों में पोलियो की बीमारी है। विश्व में 99.9 प्रतिशत पोलियो को खत्म किया जा चुका है। अब हमारी धरती पर केवल 0.1 प्रतिशत पोलियो की बीमारी है।

मुझे खुशी है कि रोटरी इस अभियान में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। मुझे बताया गया है कि रोटरी के असंख्य सदस्यों एवं वालंटियरों ने अपनी सेवा के माध्यम 122 देशों में 300 करोड़ से भी अधिक बच्चों को पोलियो की बीमारी से मुक्त करने में योगदान दिया है। जब तक पोलियो दुनिया से पूरी तरह से खत्म नहीं हो जाता है तब तक रोटरी ने अपना अभियान जारी रखने का संकल्प लिया है। मैं रोटरी के अभियान के शत-प्रतिशत सफलता के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

मुझे खुशी है कि विश्व भर में 540 रोटरी जिलों में से सबसे वृहद "रोटरी इंटरनेशनल जिला 3240" पूर्वोत्तर में "स्वंय से ऊपर सेवा" के ध्येय के साथ सक्रियता से कार्य कर रहा है। मुझे बताया गया है कि भौगोलिक रूप से जिला 3240 अन्य रोटरी जिलों में सबसे बड़ा है, जिसमें सिक्किम और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों के साथ- साथ पूर्वोत्तर के सभी 7 राज्य शामिल हैं।

1990 में स्थापित जिला 3240 के अंतर्गत 102 रोटरी क्लब हैं, जिसमें विभिन्न धर्म, संस्कृति, भाषा के 3600 से अधिक लोग शामिल हैं। वास्तव में "अनेकता में एकता" और "एक भारत श्रेष्ठ भारत" की भावना को प्रदर्शित करता है।

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि रोटरी इंटरनेशनल जिला 3240 **"रोटरी डिस्ट्रिक्ट सिग्नेचर प्रोजेक्ट", "क्लबफुट प्रोजेक्ट", "हर्ट टू हर्ट"** प्रोजेक्ट जैसे कई परियोजनाओं के तहत स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे रहा है। संगठन इसके अलावा नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच शिविर, प्राकृतिक आपदा से पीड़ित लोगों की सहायता करता है। मैं इसके लिए संगठन का हृदय से आभार प्रकट करता हूं।

मित्रों,

रोटरी से जुड़े आप सभी लोग अपने-अपने क्षेत्र में सफल रहे हैं। फिर भी आपने खुद को केवल काम करने तक ही सीमित नहीं रखा है। आपने अपने व्यवसायिक और सामाजिक जीवन के साथ-साथ मानव सेवा के उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं।

विश्व के साथ-साथ हमारे देश को बेहतर और खुशहाल बनाने की आपकी इच्छा, आपकी प्रतिबद्धता ने आप सभी को इस मंच पर एक साथ लाया है। यह सफलता और सेवा का अनुपम मेल है। वास्तव में यह मित्रता, सोहार्द और एकजुटता का जश्न मनाने और अपने संगठन के सेवा कार्यों की समीक्षा का अवसर है।

इस असवर पर रोटरी सर्विस एक्सेलेंस अवार्ड से सम्मानित पद्मश्री डॉ. आर. रवि कानन और अक्षर फाउंडेशन को बधाई देता हूं और मानव सेवा में आपके उल्लेखनीय योगदान के लिए आपका अभिनंदन करता हूं।

अतं में मैं इस विश्वास के साथ अपने शब्दों को विराम देना चाहूंगा कि रोटरी इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3240 मानव सेवा के पथ पर अग्रसर रहेगा और दूसरों को भी प्रेरित करेगा।

पुनः इस सभा में मुझे आमंत्रित करने के लिए आप सभी को धन्यवाद देता हूं। रोटरी इंटरनेशन जिला 3240 के पूरे परिवार को मेरी बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

धन्यवाद।

जय हिन्द।